डा० गिरजा उराँव
एसोसिएट प्रो०
R.M.C. सासाराम

B.A. III Hons
Session 2019-20
Subject - Psy Paper VII
Group - A

Aims and problems of Industrial Psychology

उद्देश्य एवं समस्याएँ :- औद्योगिक मनोविज्ञान औद्योगिक परिस्थिति में व्यक्ति के व्यवहारों का अध्ययन करके कर्मचारियों के सुख और संतोष में वृद्धि करता है। साथ ही यह अधिकाधिक उत्पादन पर भी जोर देता है इस प्रकार यह राष्ट्रीय विकास में मदद पहुँचता है। लेकिन मायर्स (Myers) के शब्दों में "the aim of Industrial Psychology is not primarily to obtain greater output but to give the worker ease at his work. Ease does not mean merely physical ease. but also mental ease" अर्थात इसका लक्ष्य मात्र अत्याधिक उत्पादन करना न ही होता बल्कि मजदूरों को काम करते समय अधिक आराम पहुँचाना होता है। आराम का अर्थ सिर्फ दैहिक आराम नहीं होता बल्कि मानसिक आराम भी होता है" The ideal of human efficency would be the production of maximum output of highest quality in shortest time with best expenditure of energy and maximum satisfection of workers in the aim of Industrial Psychology" किस प्रकार अधिक से अधिक उत्पादन हो उत्पादन की गुणवत्ता भी अधिक हो कम से कम समय मे और कम से कम मेहनत

के अरा आधिकाधिक उत्पादन हो तथा कर्मचारियों को अधिक से अधिक सुख एवं संतोष हो औद्योगिक मनोविज्ञान के मुख्य लक्ष्य है तथा हो उसकी मुख्य समस्या भी है।

वस्तुतः मिल मालिक एवं श्रमिक के सम्बन्ध अच्छे नही होते। इसके कई कारण होते है पर एक मुख्य कारण आर्थिक है। मुनाफे के बड़े भाग पर मिल मालिक का प्रभुत्व बना रहता है एवं श्रमिकों को मेहनत का उचित पारिश्रमिक नही मिलता। इस कारण मालिक एवं श्रमिक के बीच एक चौड़ी खाई बनी रहती है। यह राष्ट्रीय विकास मे भी बाधक साबित होता है। औद्योगिक मनोविज्ञान की यह एक मुख्य समस्या है। इस समस्या के चार पहलू हैं जो निम्न हैं:—